http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

*कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका,* (2023) वर्ष 3, अंक 11, 44-45

Article ID: 333

# सफलता की कहानी: ख़रीफ़ प्याज: सोयाबीन का लाभदायक विकल्प

**अमित कुमार[1], स्मिता अग्रवाल[2], आयुषी त्रिवेदी[3], एम. के. कुरील[4] एवं गुमान सिंह धाकड़[5]**

[1,2,4]उद्यान विभाग, भगवंतराव मंडलोई कृषि महाविद्यालय खंडवा

[3]कृषि अभियांत्रिकी, भगवंतराव मंडलोई कृषि महाविद्यालय खंडवा

[5]प्रभारी वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी, पंधाना खंडवा

कृषक श्री सर्वोदय पाटीदार द्वारा बताया गया कि वह पूर्व में कुल रकवे में परंपरागत खेती में सोयाबीन, गेहू एवं चना की खेती किया करते थे जिसमे लागत ज्यादा और मुनाफा कम होता था | जिससे आर्थिक स्तर में ज्यादा सुधार होना मुश्किल था|

कृषक द्वारा बताया गया कि पूर्व में सोयाबीन फसल की हार्वेस्टिंग के बाद गेहू/ चना फसल बो देते थे लेकिन मेरे द्वारा उद्यानिकी विभाग के अधिकारीओं एवं वैज्ञानिकों से लेट खरीफ वाली प्याज की खेती की जानकारी ली उसके बाद कृषक द्वारा लेट खरीफ प्याज की खेती विगत 3 -4 वर्षों की जा रही हैं| कृषक द्वारा इस वर्ष खरीफ प्याज की N- 53 एवं पंचगंगा किस्म की नर्सरी तैयार करने हेतु बीज माह सितम्बर में डाला जिसकी रोपाई, सोयाबीन की हार्वेस्टिंग के बाद कर दी थी | जिसका उत्पादन लगभग 550 – 600 क्विंटल के लगभग हुआ जिसका बाजार मूल्य 22.0 - 23.0 रुपए प्रति किलों रहा| इस तरह किसान परंपरागत खेती के साथ आधुनिक तकनीकी वाली खेती करके अधिक लाभ कमा रहे हैं|

खरीफ प्याज फसल 1.80 हेक्ट की उपज लगभग – 550 - 600 क्विंटल
खरीफ प्याज फसल 1.80 हेक्ट की अनुमानित लागत लगभग – 1.50 – 2.0 लाख रुपए
खरीफ प्याज फसल 1.80 हेक्ट. की अनुमानित आय/ मुनाफा लगभग – 12.0 – 13.0 लाख रुपए
खरीफ प्याज फसल 1.0 हेक्ट. से शुध्द मुनाफा/लाभ – 10.50 – 11.0 लाख रुपए हुआ|

कृषक का सामान्य परिचय
कृषक का नाम – श्री सर्वोदय पाटीदार S/0 श्री विश्वजीत पाटीदार
ग्राम – गांधवा
विकासखंड –पंधाना, जिला – खंडवा (म.प्र.)
कृषक का कुल रकवा – 1.80 हेक्टे. , रोपित उद्यानिकी फसलें – खरीफ प्याज एवं रबी प्याज
उद्यानिकी फसल का कुल रोपित रकवा – 1.80 हेक्टे.